International Indian School, Riyadh.
Work sheet 2012 - 13

Class : VIII Sub: Hindi SA-II

प्र०-१ निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए:

(क) रोगी (रुग्ण) –
(ख) रक्षक –
(ग) राजा –
(घ) लोभ –
(ङ) विपुल –
(च) विपद –
(छ) विधि –
(ज) विश्वास –
(झ) विनय –
(ञ) शुष्क –

प्र०-२ निम्नलिखित शब्दों के दो - दो अनेकार्थक शब्द लिखिए:

(क) कृष्ण –
(ख) गिरा –
(ग) गुण –
(घ) गुरु –
(ङ) गो –
(च) घट –
(छ) घन –
(ज) जलज –
(झ) तात –
(ञ) दंड –

प्र०-३ निम्नलिखित शब्दों के संधि - विच्छेद कीजिए:

(क) वेदांत –
(ख) विद्यालय –
(ग) रमेश –
(घ) सदैव –
(ङ) प्रत्येक –
(च) नयन –

(छ) ममेरा –
(ज) सँपेरा –
(झ) जगदीश –
(ञ) भवन –

प्र०-4(क) तीन उदाहरण सहित कारक की परिभाषा लिखिए।

(ख) कारक की परिचय तालिका बनाइये।

(ग) नीचे लिखे वाक्यों में रेखांकित शब्दों के कारक छाँटिए।

(1) लड़का खेलता है। (लड़का)
(2) राम ने फल खाया। (राम ने)
(3) बच्चा दूध पीता है। (दूध)
(4) अध्यापक ने बच्चे को पढ़ाया। (बच्चे को)
(5) बच्चे गेंद से खेल रहे हैं। (गेंद से)
(6) अध्यापक चॉक से लिख रहा है। (चॉक से)
(7) पिताजी बबलू के लिए साइकिल लाए। (बबलू के लिए)
(8) मैं माता जी के लिए फल लाया। (माता जी के लिए)
(9) बच्चा छत से गिर पड़ा। (छत से)
(10) पेड़ से दो आम गिरे। (पेड़ से)
(11) श्री राम दशरथ के पुत्र थे। (दशरथ के)
(12) यह संगीता का घर है। (संगीता का)
(13) बन्दर पेड़ पर बैठा है। (पेड़ पर)
(14) शेर जंगल में रहता है। (जंगल में)
(15) अरे विद्यार्थियों! मन लगाकर पढ़ो। (अरे)
(16) हे बच्चों! शोर मत करो। (हे)

प्र०-5 'प्रदूषण' पर 50-75 शब्दों का अनुच्छेद लिखिए।

प्र०-6 'गली मोहल्ले में पड़ी गंदगी को साफ करवाने के लिए स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए।

प्र०-7 नीचे लिखे गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

सी० वी० रमण भारत के प्रसिद्ध वैज्ञानिक थे। ये बचपन से ही शरीर से दुबले-पतले थे किन्तु थे दिमाग के धनी। अस्वस्थता के कारण ये विदेश न जा सके। पर इन्होंने अपनी प्रतिभा से यह सिद्ध कर दिया कि यदि प्रतिभा हो तो विदेश जाकर पढ़ना आवश्यक नहीं है। इन्होंने कलकत्ते के साइंस कॉलेज में प्रिंसिपल के पद पर कार्य किया। यद्यपि इस पद के लिए विदेशी प्रमाण-पत्र आवश्यक था पर इनकी योग्यता पर मुग्ध होकर उपकुलपति ने इन्हें छूट दे दी। इन्होंने विज्ञान के क्षेत्र में नए-नए प्रयोग किए। प्रकाश-किरणों पर इनका शोध-कार्य 'रमण-प्रभाव' के नाम से विख्यात हुआ जिस पर इनको नोबल पुरस्कार मिला। भारत में यह पुरस्कार विश्व-कवि टैगोर के बाद इनको ही प्राप्त हुआ था।

(क) सी० वी० रमण की बचपन से ही क्या विशेषता थी?

(ख) ये विदेश क्यों नहीं जा पाए?

(ग) सी० वी० रमण ने अपनी प्रतिभा से क्या सिद्ध कर दिया?

(घ) इन्हें किस शोध पर नोबल पुरस्कार मिला?

(ङ) यह पुरस्कार अब तक कितने भारतीयों को मिल चुका है?

(च) गद्यांश का शीर्षक दीजिए।

प्र०-8 नीचे लिखे पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

भई सूरज,
ज़रा इस आदमी को जगाओ!
भई पवन,
ज़रा इस आदमी को हिलाओ!
भई पंछी,
इसके कानों पर चिल्लाओ!
यह आदमी जो सोया पड़ा है
जो सच से बेख़बर
सपनों में खोया पड़ा है
वक्त पर जगाओ,
नहीं तो जब बेवक्त जागेगा यह
तो जो आगे निकल गए हैं
उन्हें पाने
घबरा के भागेगा यह।

(क) कवि ने मनुष्य को जगाने का अनुरोध किस-किस से किया है?

(ख) मनुष्य असमय जागने पर घबराकर क्यों भागता है?

(ग) पद्यांश का शीर्षक दीजिए।

(घ) एक-एक पर्याय शब्द लिखिए।
(1) सूरज -
(2) पवन -
(3) पंछी -

(ङ) विलोम शब्द।
(1) सच -
(2) जागना -
(3) पाना -

(च) वाक्य बनाओ।
(1) आदमी -
(2) सपना -